जनपद– बलरामपुर की राज्य स्तरीय पर्यवेक्षण की रिपोर्ट
दिनांक 29 अप्रैल 2022

डा0 वेद प्रकाश, महाप्रबन्धक बाल स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0प्र0 के नेतृत्व में राज्य स्तरीय टीम–मो0 अताउर रब, उपमहाप्रबन्धक, कम्युनिटी प्रोसेस, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0प्र0 एवं श्री अरविन्द उपाध्याय, परामर्शदाता परिवार नियोजन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0प्र0 द्वारा दिनांक 29 अप्रैल 2022 को जनपद बलरामुपर स्थित जिला संयुक्त चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुलसीपुर तथा हेल्थ एण्ड बेलनेस सेन्टर उपकेन्द्र रामपुर बंधुरा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बलरामुपर एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र श्री दत्तगंज का पर्यवेक्षण किया गया एवं विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी। भ्रमण की विस्तृत आख्या आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :–

1. **जिला महिला चिकित्सालय– एस0एन0सी0यू0** का भ्रमण किया गया, एस0एन0सी0यू0 की बेड आक्यूपेन्सी रेट (BOR) 151 प्रतिशत है, चिकित्सालय में 18 बेड की एस0एन0सी0यू0 इकाई स्वीकृत है, जिसके सापेक्ष 12 बेड की एस0एन0सी0यू0 संचालित है, दूसरे कमरे में स्थापित 06 बेड का उपयोग नहीं किया जा रहा है। यदि उचित संख्या में स्टाफ नर्स उपलब्ध करा दी जायें तो शेष 06 बेड का भी उपयोग किया जाये तो बेड आक्यूपेन्सी रेट (BOR) अधिक नहीं रहेगी तथा चिकित्सीय सुविधाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

- चिकित्सालय में स्थित लैब में कुछ ही जाँचें होती हैं अधिकाशं जाँचें बाहर से करायी जाती हैं जिसका व्यय लाभार्थी द्वारा किया जाता है।

- एस0एन0सी0यू0 में आवश्यक Antibiotic ampicillin, Inj Vitamin-K, Inj. Phenobarbitone, Viggo, Inj. Hydrocartisone आदि आवश्यक औषधियाँ उपलब्ध नही हैं, जोकि अत्यन्त दुखद है। अवगत कराया गया कि एस0एन0सी0यू0 की आपरेशनल कास्ट हेतु रू0 10.00 लाख पूर्णतया व्यय हो जाने के पश्चात आवश्यक औषधियों का क्रय करना सम्भव नहीं है।

- निर्देशित किया गया कि एस0एन0सी0यू0 की आपरेशनल कास्ट हेतु उपलब्ध करायी गयी धनराशि से आवश्यक सामग्री का क्रय किया जाये, अनावश्यक सामग्री एवं अन्य सामग्रियाँ जो अन्य संसाधनों से उपलब्ध हैं, का क्रय न किया जाये।

- महाप्रबन्धक द्वारा अवगत कराया गया कि आवश्यकता पडने पर एस0एन0सी0यू0 में उपयोग हेतु औषधियाँ, आवश्यक संसाधन एवं जाँचें हेतु अनटाइड फण्ड एवं जे0एस0एस0के0 की धनराशि का उपयोग किया जा सकता है। परन्तु यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि समस्त आवश्यक औषधियाँ उपलब्ध हों तथा रोगी के परिवार पर व्यय न डाला जाये।

- एस0एन0सी0यू0 में लगभग 56 प्रतिशत नवजात शिशुओं को Antibiotic दिया गया जो कि अधिक है। first line ampicillin के स्थान पर Third line Antibiotic का उपयोग हो रहा है, यदि लैब में जाँच की सेवायें 24 घन्टें उपलब्ध हों तो Antibiotic का उपयोग कम किया जा सकता है।

- KMC Lounge में स्तनपान एवं KMC सम्बन्धी कोई भी पोस्टर आदि नहीं था एवं इसे साधारण वार्ड की भाँति उपयोग किया जा रहा है।

- चिकित्सालय के महिला वार्ड, KMC Lounge आदि स्थानों पर टैलीविजन लगे हैं परन्तु स्वास्थ्य सेवायें सम्बन्धी वीडियो को प्रसाारित नहीं किया जा रहा है। चिकित्सालयों में स्टाफ के पास इस हेतु कोई प्रचार–प्रसार सामग्री उपलब्ध नहीं पायी गयी।

2. **एन0बी0एस0यू0**– जनपद में 08 एन0बी0एस0यू0 स्वीकृत हैं, तथा उपकरण भी क्रय किये जा चुके है, परन्तु मात्र 04 एन0बी0एस0यू0 ही क्रियाशील हैं, अवगत कराया गया है कि स्टाफ नर्सों की कमी के कारण एन0बी0एस0यू0 क्रियाशील नहीं किये जा सके हैं।

- उल्लेख्यनीय है कि शीघ्र ही स्टाफ नर्सों की नियुक्ति स्वास्थ्य विभाग एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत किये जाने की सम्भावना है।

- जनपद की अन्य चिकित्सालयों से यथासम्भव स्टाफ नर्सो को सम्बद्ध कर शेष एन0बी0एस0यू0 को क्रियाशील किये जाने के प्रयास किये जायें।

- **जनपद– बलरामुपर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– तुलसीपुर** में एन0बी0एस0यू0 क्रियाशील है, रिपोर्टिगं भी की जा रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत 03 स्टाफ नर्स भी नियुक्त हैं, जिन्हे प्रशिक्षण प्राप्त है, परन्तु एन0बी0एस0यू0 में अपेक्षित सेवायें नहीं दी जा रही हैं। बीमार नवजात शिशुओं को मात्र कुछ घन्टों हेतु भर्ती किया जाता है, जबकि प्रायः कुछ दिनों तक भर्ती कर उपचार प्रदान किये जाने आवश्यकता होती है। अनावश्यक रूप से बीमार शिशुओं को एस0एन0सी0यू0 में संदर्भित न किया जाये।

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– तुलसीपुर के लेबर रूम से 16 नवजात शिशुओं को संदर्भित किया गया परन्तु उनमें किसी भी नवजात शिशु की ट्रेकिंग नहीं की गयी। सुनिश्चित किया जाना चाहिये कि वह उपचार हेतु एस0एन0सी0यू0 पहुचे या नहीं।

- जिला संयुक्त चिकित्सालय में भी एन0बी0एस0यू0 स्थापित है, जिसमें माह दिसम्बर 2021 तक नवजात शिशुओं को भर्ती किया जाता था परन्तु विगत 04 माह से कोई नवजात शिशु भर्ती नहीं किया गया, जबकि चिकित्सालय में प्रति माह 250 नवजात शिशुओं का जन्म होता है। अतः एन0बी0एस0यू0 को तत्काल क्रियाशील किया जाये।

3. **जिला चिकित्सालय**– एन0आर0सी0 का भ्रमण किया गया, चिकित्सालय में एन0आर0सी0 सुचारू रूप से संचालित है, वर्ष 2021–22 में कोरोना महामारी संक्रमण के समय में बेड आक्यूपेन्सी रेट (BOR) 71 प्रतिशत रही है।

4. जनपद में सामुदायिक स्तर पर सीवियर एक्यूट मालन्यूट्रीशन सैम (Severe Acute Malnutrition-SAM) बच्चों का संदर्भन संतोषजनक रहा है एवं ekavach app पर 1090 बच्चों का पंजीकरण कराया गया है।

5. NFHS-5 की रिपोर्ट के अनुसार जनपद में माँ कार्यक्रम, Early initiation of breastfeeding (EIBF), की दर 14.9 प्रतिशत रही है, जोकि अपेक्षा से अत्यन्त कम है। परन्तु 03 मुख्य चिकित्सालयों : जिला चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– तुलसीपुर में पर्यवेक्षण के दौरान गर्भवती प्रसूताओं से वार्ता कर पाया गया कि समस्त प्रसूताओं द्वारा 01 घन्टें के अन्दर स्तनपान कराया गया। IMS Act का उलंघन नहीं पाया गया। इससे प्रतीत होता है कि जनपद में कार्यरत चिकित्सकों, स्टाफ नर्सों एवं काउंसलर आदि के

द्वारा सराहनीय प्रयास किये गये हैं भविष्य में भी Early initiation of breastfeeding (EIBF) एवं 6 माह तक मात्र स्तनपान 100 प्रतिशत सुनिश्चित किया जाये।

6. जनपद में होमबेस्ड केयर फार यंग चाइल्ड (HBYC) कार्यक्रम के अर्न्तगत आशाओं द्वारा भ्रमण किया जा रहा है।

7. **मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम– सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– तुलसीपुर** में High Risk Pregnancy (HRP) ट्रेकिंग रजिस्टर का निरीक्षण किया गया, अन्य चिकित्सालयों एवं जनपदों की भाँति यहां पर भी पाया गया कि HRP को सूचीबद्ध किया जा रहा है, परन्तु ट्रेकिंग नहीं की जा रही है। जैसे कि गर्भवती महिलाओं में गम्भीर एनीमिया पाया गया एवं उनकी प्रसव की संभावित तिथि लगभग 04 माह बाद थी एवं भ्रमण के दौरान प्रसव की तिथि निकल चुकी थी। ट्रेकिंग द्वारा सुनिश्चित करने का प्रयास नहीं किया गया कि महिलाओं को एनीमिया रोग हेतु इलाज प्राप्त हुआ या नहीं उनके संस्थागत प्रसव हेतु क्या प्रयास किये गये तथा प्रसव का परिणाम क्या रहा। इनसे सम्बन्धित रजिस्टर में कॉलम खाली हैं। **सभी चिकित्सालयों को निर्देशित किया जाये कि HRP केस का नियमित रूप से प्रसव तक ट्रेक किया जाये, उचित इलाज उपलब्ध कराया जाये आवश्यकता पडने पर संदर्भित किया जाये। ऐसा करने से ही नवजात शिशु मृत्युदर को कम किया जा सकेगा।**

8. **बाल मृत्यु समीक्षा (CDR) कार्यक्रम**– जनपद में संभावित बाल मृत्यु के सापेक्ष 3 प्रतिशत से कम मृत्युओं को रिपोर्ट किया जा रहा है। ए0एन0एम0 एवं आशा के माध्यम से रिपोर्टिगं कराया जानी है, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा आश्वस्त किया गया कि एक सप्ताह के अन्दर में बाल मृत्यु की रिपार्ट सुनिश्चित किये जाने हेतु आवश्यक प्रयास किये जायेंगे।

- जनपद एक Aspirational जनपद है यहां पर बाल मृत्यु समीक्षा (CDR) कार्यक्रम 03 वर्षों से संचालित है परन्तु गम्भीर प्रयास नहीं किये गये हैं।

- बाल मृत्यु समीक्षा (CDR) कार्यक्रम हेतु जिला स्तर एवं ब्लॉक स्तर पर बाल मृत्यु समीक्षा (CDR) कमेटी बना ली जाये तथा मासिक बैठकें सुनिश्चित की जाये।

- बाल मृत्यु समीक्षा (CDR) की आनलाईन रिपोर्ट पोर्टल पर दर्ज करने हेतु user-ID & password उपलब्ध कराये गये हैं, तथा रिपोर्टिगं सुनिश्चित की जाये।

9. उपकरण– विभिन्न चिकित्सालयों में अनेक उपकरण क्रियाशील नहीं हैं अवगत कराया गया कि बहुत से उपकरणों में Maintenance Tag होने के उपरान्त भी शिकायत दर्ज नहीं हो रही है एवं CYRIX द्वारा कार्य में रूचि लेना कम कर दिया गया है।

10. **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– तुलसीपुर** में गर्भवती स्त्रियों की जाँच हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध नही है। जिससे गुणवत्ता परक जाँच सम्भव नहीं हो पा रही है। प्रसव कक्ष के समीप OPD कक्ष उपलब्ध है जिसे महिलाओं की जाँच हेतु उपलब्ध कराया जा सकता है।

11. **हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर–उपकेन्द्र रामपुर, बंघुरा : अवलोकन बिन्दु –**

- **आधारभूत संरचना :** हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर का भवन उपलब्ध है, जो उपकेन्द्र के परिसर में बना हुआ है। हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर के भवन का ब्रान्डिंग पूर्व में किया गया था, परन्तु बरसात के पानी से खराब हो चुका है, जिसे पुनः कराने की आवश्यकता है। विद्युत एवं पेय जल की व्यवस्था नही है, जबकि भवन में पानी की उपलब्धता हेतु मोटर की व्यवस्था है।

- **आई0टी0 उपकरण** : ए0एन0एम0 एवं सी0एच0ओ0 के पास टेबलेट उपलब्ध है ,परन्तु सी0एच0ओ0 के टेबलेट का स्क्रीन टूटा हुआ है।

- **मानव संसाधन एवं प्रशिक्षण** : ए0एन0एम0 एवं सी0एच0ओ0 एवं 07 आशा को एन0सी0डी0 माड्यूल का प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा ए0एन0एम0 एवं सी0एच0ओ0 को एन0सी0डी0 के IT Application में भी प्रशिक्षण प्राप्त है।

- **औषधि एवं लैब जांच की उपलब्धता : हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर में मात्र** 3-4 diagnostics test Kit ही उपलब्ध है, जबकि 18-19 प्रकार के medicines उपलब्ध है, जिसमें hypertensive & diabetic medicines भी उपलब्ध है।

- **सर्विस डिलीवरी** : 4053 लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 2000 CBAC फॉर्म ही भरे गये हैं। तथा NCD की स्क्रीनिंग की गई है। वेलनेस गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन 15-20 मरीजों की आं0पी0डी0 की जा रही है। उपकेन्द्र में प्रसव की सुविधा उपलब्ध है। जन आरोग्य समिति के खाते संचालित हैं, परन्तु पिछले वर्ष धनराशि का अभाव होने के कारण कोई भी खर्चा नही हो पाया। टेली कॉन्फ्रेन्सिंग की सुविधा ई– संजीवनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रदान की जा रही है।

- **सामान्य अवलोकन बिन्दु** : सी0एच0ओ0 के अनुसार माह मार्च तक मानदेय एवं फरवरी 2022 तक परफॉर्मेन्स बेस्ड इंसेन्टिव का भुगतान प्राप्त हो चुका है।

- **परिवार नियोजन कार्यक्रम के अवलोकन बिन्दु** : ए0एन0एम0 एवं सी0एच0ओ0 को पी0पी0 आईयू0सी0डी0 विधा में प्रशिक्षण प्राप्त है परन्तु पी0पी0आई0यू0सी0डी0 की सेवाएं नही प्रदान की जा रही है।

12. पी0एच0सी0 बलरामपुर : अवलोकन बिन्दु –

- **मानव संसाधन प्रशिक्षण एवं भुगतान** : 302 आशाओं के सापेक्ष 34 आशा प्रथम 1st round के 6–7वें माड्यूल का प्रशिक्षण नहीं प्रदान किया गया है। आशाओं से सम्बंधित समस्त भुगतान माह फरवरी 2022 तक किया जा चुका है एवं धनराशि के अभाव के कारण माह मार्च का भुगतान पूर्ण नही हो पाया है। आशा के राज्य बजट का भुगतान चेकबुक के अभाव में नही किया जा सका है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक के अनुसार आशा के राज्य बजट के माह जनवरी एवं फरवरी के भुगतान सम्बंधी कार्यवाही बैंक को भेजी जा चुकी है। ब्लॉक में 116 VHSNC गठित हैं, जिसमें से 04 VHSNC के खाते पदाधिधिकारी के हस्ताक्षर चेंज हो जाने के कारण अक्रियाशील है। ब्लॉक में 27 HWC में से 10 में ब्रान्डिंग का कार्य अपूर्ण है। ब्लॉक के समस्त आशाओं को स्मार्ट फोन वितरित किया जा चुका है।

- **सामान्य अवलोकन बिन्दु** : यह पी0एच0सी0 एच0डब्ल्यू0सी0 के रूप में क्रियाशील है परन्तु समस्त स्वास्थ्य सेवाएं नही प्रदान की जा रही है। लैब टेक्नीशियन उपलब्ध होने के बावजूद मात्र 12–14 लैब की जांचे ही की जा रही है। एन0सी0डी0 से सम्बंधित समस्त स्क्रीनिंग एवं वेबपोर्टल पर एन्ट्री किये जाने का कार्य नही किया जा रहा है।

- **परिवार नियोजन कार्यक्रम के अवलोकन बिन्दु** : परिवार नियोजन कार्यक्रम अन्तर्गत 02 स्टाफ नर्स एवं 01 ए0एन0एम0 की पदस्थापना के बावजूद प्रशिक्षित न होने के कारण

पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इनसर्शन दर बहुत कम है। दिनांक 29.04.2022 तक कुल 11 प्रसव के सापेक्ष मात्र 01 पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्षन किया गया है।

- राज्य द्वारा प्रदत्त पी0ए0एफ0पी0 सम्बंधित दिशानिर्देश *"यदि महिला द्वारा पी0पी0आई0यू0 सी0डी0/पी0पी0एस0 नही अपनाया गया है, तो छाया गोली की 03 स्ट्रिप व कण्डोम का 03 पैकेट अवश्य दिया जाना सुनिश्चित करे। साथ ही महिला को यह जरूर बताये के छाया गोली नॉन हारमोनल गोली है, इसे खाने से किसी भी प्रकार का दुष्प्रभाव नही है छाया गोली महावारी शुरू होने के पहले, प्रसव के तुरन्त बाद तथा गर्भपात होने के तुरन्त या 07 दिन के अन्दर तीन महीने तक सप्ताह में दो बार खानी है और तीन महीने के पश्चात सप्ताह में 01 गोली खानी है, साथ ही छाया गोली से सम्बन्धित संदेश को पी0एन0सी0 वार्ड में दीवार लेखन अवश्य कराये"* का पालन सुनिश्चित नही किया जा रहा है।

13. **सी0एच0सी0 श्रीदत्तगंजः अवलोकन बिन्दु –**

- **परिवार नियोजन कार्यक्रम के अवलोकन बिन्दुः** राज्य द्वारा प्रदत्त पी0ए0एफ0पी0 सम्बंधित दिशानिर्देश *"यदि महिला द्वारा पी0पी0आई0यू0सी0डी0/पी0पी0एस0 नही अपनाया गया है, तो छाया गोली की 03 स्ट्रिप व कण्डोम का 03 पैकेट अवश्य दिया जाना सुनिश्चित करे। साथ ही महिला को यह जरूर बताये के छाया गोली नॉन हारमोनल गोली है, इसे खाने से किसी भी प्रकार का दुष्प्रभाव नही है छाया गोली महावारी शुरू होने के पहले, प्रसव के तुरन्त बाद तथा गर्भपात होने के तुरन्त या 07 दिन के अन्दर तीन महीने तक सप्ताह में दो बार खानी है और तीन महीने के पश्चात सप्ताह में 01 गोली खानी है, साथ ही छाया गोली से सम्बन्धित संदेश को पी0एन0सी0 वार्ड में दीवार लेखन अवश्य कराये"* का पालन सुनिश्चित नही किया जा रहा है।

- **सर्विस डिलीवरी :** सी0एच0सी0 में कोई भी लैब टेक्नीशियन उपलब्ध नही है। 01 लैब असिस्टेन्ट सी0एच0सी0 में पदस्थ है जिसके कारण समस्त प्रकार टेस्ट नही हो पा रहे है। एक्स–रे टेक्नीशियन पदस्थ होने के बावजूद एक्स–रे मशीन की अनुपलब्धता के कारण टेक्नीशियन जिला चिकित्सालय में सम्बद्ध किया गया है।

(अरविन्द उपाध्याय)	(मो0 अताउर रब)	(डा0 वेद प्रकाश)
परामर्शदाता, परिवार नियोजन	उपमहाप्रबन्धक, कम्युनिटी प्रोसेस	महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य